कृषि नवाचार
हिन्दी पत्रिका
https://www.krishinavachar.in
खण्ड 01 भाग 04 जुलाई, 2024

राष्ट्रीय बागवानी मिशन: कृषि क्षेत्र में नवाचार और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

विपिन कुमार
बी.एस-सी (आनर्स) कृषि, आर.एस.एम.(पीजी) कॉलेज धामपुर, बिजनौर, उत्तर-प्रदेश
E-mail: Yaduvanshivipin343@gmail.com

भारत सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने तथा उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में लोगों का रुझान बागबानी के क्षेत्र में अधिक देखने को मिल रहा है। वर्तमान समय में देश के कई किसान भाई बागबानी से अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं।

परिचय

वर्ष 2005-2006 में राष्ट्रीय बागबानी मिशन की शुरुआत की थी। राष्ट्रीय बागबानी मिशन के अंतर्गत किसानों को उच्च दामों वालीं सब्जियों, फल व फूलों तथा मसालों आदि की खेती के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से किसान भाईयों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सिचाई, नैट हाउस, भंडारण और तारबंदी आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, इस मिशन के तहत किसानों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता में राज्य सरकार का योगदान 35-50 प्रतिशत और शेष राशि केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन के उद्देश्य

इसका उद्देश्य बागबानी खेती को बढ़ावा देने के साथ ही उसका चौमुखी विकास करना है। इसके साथ ही बागबानी करने वाले किसानों को फसल से संबंधित उचित जानकारी प्रदान कर उनकी आय को बढ़ाना है। इस मिशन के शुरुआत होने से फलों और ब्जियों के निर्यात के काफी वृद्धि हुई है, जिससे किसानों और देश की अर्थव्यवस्था में काफी सुधार हुआ है।

बागवानी के लाभ

- छोटे और सीमांत किसान कम भूमि में अधिक उत्पादन का लाभ।
- खाद्यान्न फसलो की अपेक्षा बागबानी फसलो की मांग बाजार में वर्ष भर रहती हैं, जिससे किसानों को विक्रय में किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है।
- एक बार फसल उगाने के बाद किसान कई वर्षों तक फसलो का उत्पादन ले सकते हैं।

- खाद्यान्निक फसलो की अपेक्षा बागबानी फसलो में अधिक पोषण।

किसानों और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

बागबानी खेती के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के फलों, फ़ूलों, सब्जियों, औषधियों पौधे और मसालों की खेती की जाती हैं। बागबानी फसलो के उत्पादन से किसानों और देश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

1. **फल उत्पादन से**: बागबानी फसलो के अंतर्गत भारत में आम, केला, नींबू, चीकू, फलों का उत्पादन सबसे अधिक मात्रा में किया जाता है, वर्ष 2015-16 में भारत में कुल फलों का उत्पादन 90 हजार 189 हजार टन था।
2. **मसालों के उत्पादन से**: मसालों के उत्पादन में पूरे विश्व में भारत का नाम पहले स्थान पर लिया जाता है एवं भारत को **मसालों का देश** भी कहा जाता है।
3. **सब्जियों के उत्पादन से**: सब्जियों के उत्पादन में चीन पहले स्थान पर है। भारत में सबसे अधिक सब्जियां आलू, टमाटर, प्याज, फ़ूलगोभी आदि का उत्पादन सबसे अधिक किया जाता है, वर्ष 2015-16 में सर्वे के मुताबिक भारत मे सब्जियों का कुल उत्पादन लगभग 1 लाख 69 हजार टन दर्ज किया गया था।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन के आंकड़े

भारत में वर्ष 2002-2003 में की जाने वाली बागबानी खेती का उत्पादन लगभग 17.5 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर किया जाता है। जबकि वर्ष 2005- में राष्ट्रीय बागबानी मिशन शुरू होने के पश्चात बागबानी फसलो का उत्पादन बढ़कर लगभग 20 मिलियन हेक्टेयर हो गया। इसी प्रकार वर्ष 2012-13 में यह उत्पादन बढ़कर लगभग 265 मिलियन टन हो गया, इस प्रकार राष्ट्रीय बागबानी मिशन की सहायता से इस समय कृषि जीडीपी में योगदान 28 प्रतिशत रहा हैं।

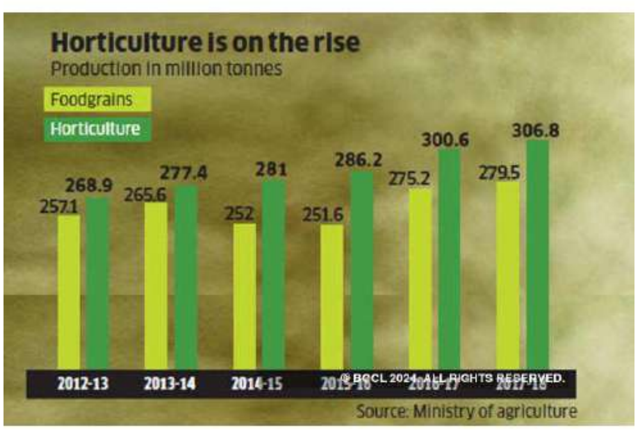

अन्य बागवानी योजनाएं

1. प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY): इस योजना का उद्देश्य कृषि-प्रसंस्करण और प्रबंधन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाना और कृषि क्षेत्र में रोजगार सृजन करना है। यह योजना मेगा फ़ूड पार्क, कोल्डचेन और कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टर जैसी परियोजनाओं को बढ़ावा देती है।

2. मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर (MIDH): यह योजना बागवानी फसलों के समग्र विकास के लिए है। इसके अंतर्गत फलों, सब्जियों, मसालों, औषधीय और सुगंधित पौधों, औरफ़ूलों की खेती को प्रोत्साहन दिया जाता है।

3. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY): इस योजना का उद्देश्य कृषि और संबंधित क्षेत्रों में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन और कृषि-प्रसंस्करण जैसी गतिविधियों को इसमें शामिल किया गया है।

4. हरित क्रांति कृषि विकास योजना: इस योजना का उद्देश्य उन्नत कृषि प्रौद्योगिकी के माध्यम से कृषि उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाना है। इसमें बागवानी फसलों के लिए भी विशेष ध्यान दिया गया है।

5. नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (e-NAM): यह एक इलेक्ट्रॉनिक व्यापार पोर्टल है, जिसका उद्देश्य किसानों को उनके उत्पादों के लिए बेहतर मूल्य दिलाना है। इसके माध्यम से किसान सीधे बाजार से जुड़ सकते हैं, और अपने उत्पाद बेच सकते हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य भारत में बागवानी और कृषि के क्षेत्र में समग्र विकास करना है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय बागवानी मिशन (NHM) ने भारत में बागवानी क्षेत्र को उल्लेखनीय प्रगति और विकास प्रदान किया है। इस मिशन के तहत किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत बीजों और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही, बागवानी उत्पादों के भंडारण और विपणन की सुविधाओं में सुधार किया गया है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके हैं। राष्ट्रीय बागवानी मिशन ने न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए हैं। कुल मिलाकर, NHM ने भारत में बागवानी के क्षेत्र में एक नई क्रांति का सूत्रपात किया है, जिससे देश की कृषि और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

● ● ●